ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

## कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -7

काली कोयल काली क्यों?



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

## मौखिक-

### २. कम से कम शब्दों में उत्तर दीजिए-

क) चिड़ियों की सरदार कौन थी?

चिड़ियों की सरदार एक सुनहरी चिड़िया थी। उसे सब प्यार से सोनल पुकारते थे।

ख) चिड़िया स्वयं को जंगल की रानी क्यों मानने लगी?

ज्यादा लाड़- प्यार पाकर सुनहरी चिड़िया अपने आप को जंगल की रानी समझने लगी।

ग) जंगल के सभी पशु पक्षी सुनहरी को क्या कहकर बुलाते थे?

जंगल के सभी पशु पक्षी सुनहरी पक्षी को सोनल कहकर पुकारते थे।

घ) सोनल नीले आकाश में ऊँचा किस कारण से उड़ना चाहती थी?

सोनल नीले आकाश में जब उड़ती तो सब उसे देखना चाहते थे। सभी मुग्ध होकर उसकी तारीफ़ करते। उसे किसी का भी कोई डर नहीं था। इस लिए वह नीले आकाश में उड़ना चाहती थी।

# लिखित-

## १. रिक्त स्थान भरिए-

चहचहाहट, सोनल, सुनहरा, रंग - बिरंगी, छटपटाती, चमकीली

क) जंगल में तरह तरह-तरह की.....**रंग - बिरंगी**..... चिड़ियाँ रहती थीं।

ख) सारा जंगल चिड़ियों की.....**चहचहाहट**..... से गूंजता था।

ग) उसके रूप रंग और.....**चमकीली**..... आँखों पर सबको गर्व था।

घ) .....**सोनल**..... किसी से सीधे मुँह बात न करती थी।

ङ) सूरज की गरमी से सनोली का.....**सुनहरा**..... शरीर झुलस गया।

च) रोती, चीखती,दर्द से.....**छटपटाती**..... वह नीचे गिर पड़ी।

## २.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) चिड़िया की विशेषताएँ लिखिए।

चिड़िया का रंग सोने जैसा था मानो स्वर्णपरी। नीले आसमान में सुनहरे पंख फैलाकर उड़ती तो जानवर मुग्ध हो जाते। उसके रूप रंग और चमकीली आँखों पर सबको गर्व था। वह जंगल की शान थी।

ख) सोनल का चिड़िया ज्यादा लाड़-प्यार पाकर अपने आपको क्या समझने लगी थी?

सब जानवर चिड़िया से इतना प्यार करते थे कि उसकी गलतियों पर भी उसे कोई टोकता नहीं था। इतना लाड़-प्यार पाकर सुनहरी चिड़िया अपने-आपको जंगल की रानी समझने लगी।

ग) सोनल का सुनहरा शरीर कैसे झुलस गया था?

सोनल का सुनहरा शरीर ऊँची उड़ान भरने पर सूरज की गरमी से झुलस गया था।

घ) सोनल उदास क्यों रहने लगी थी?

सोनल उदास रहने लगी, क्योंकि उसका सुनहरा रंग काला पड़ गया था।

ङ) बूढ़े बाबा ने सोनल को क्या सीख दी?

बुढ़े बाबा ने सोनल को उदास देखकर उसे समझाया कि इस दुनिया में रूप-रंग का कोई महत्व नहीं है।लोग उसी को अच्छा मानते हैं, जिसमें गुण हों।

## ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) सुनहरी चिड़िया सोनल से कोयल कैसे बनी?

सुनहरी चिड़िया सोनल सुंदरता के घमंड में डुब एक बार आकाश में बहुत ऊँचे चली गई। सूरज की गरमी ने सोनल को जला डाला।उसका सुनहरा शरीर झुलस गया। उसके सोने जैसे पंख काले पड़ गए। बूढ़े बाबा के समझाने पर उसने मीठी वाणी में गाना शुरू कर दिया। अपनी मीठी बोली से सबका मन जीत लिया। सभी उसे कोयल के नाम से पुकारने लगे।

ख) सोनल ने मीठी वाणी में गाना क्यों शुरू किया? इससे उसे क्या लाभ हुआ? ( मूल्यपरक)

जब सोनल का सुनहरा रंग काला पड़ गया,वह उदास रहने लगी। उसे बुढ़ा बाबा ने समझाया कि दुनिया में रूप- रंग का कोई महत्व नहीं है।लोग उसी को अच्छा मानते हैं, जिसमें गुण हों। अगर वह सबके साथ मिलजुलकर रहेगी।तब उसने मीठी वाणी से गाना शुरू कर दिया और सबका मन जीत लिया। सभी उसके गुण गाने लगे।

# भाषा ज्ञान-

## १. पढ़िए और समझिए-

सुनहरी चिड़िया अपने सुनहरे पंख फैलाकर उड़ती थी।

सब जानवर उसे प्यार करते थे।

सोनल लंबी उड़ान भरा करती थी।

ऊपर लिखे वाक्यों में उड़ती थी, करते थे, करती थी आदि शब्दों से किसी काम के होने का पता चल रहा है।

जिन शब्दों से किसी काम का करना या होना प्रकट हो, उन्हें क्रिया शब्द कहते हैं ।

निम्नलिखित चित्रों को देखकर उचित क्रिया शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) रवि गाना .....गा..... रहा है।

(ख) प्रियंका खाना .....खा..... रही है।

(ग) अमन पानी .....पी..... रहा है।

(घ) माँ खाना .....बना..... रही हैं।

(ङ) पिता जी अखबार .....पढ़..... रहे हैं।

## २. निचे दिए गए शब्दों पर्यायवाची शब्द लिखिए-

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| विश्व | संसार | .....जगत..... | हँसी | कहकहा | .....मज़ाक..... |
| पथ | रास्ता | .....मार्ग..... | वायु | हवा | .....पवन..... |
| पानी | जल | .....,नीर..... | बच्चा | बालक | .....शिशु..... |
| आकाश | आसमान | .....गगन..... | नेत्र | आँख | .....नयन..... |

३. निचे कुछ विशेषण- विशेष्य दिए गए हैं, उन्हें दिए गए स्थान पर लिखिए-

घना जंगल, मोटी- पतली चिड़ियाँ, सुनहरी चिड़िया,स्वर्ण परी,नीला आसमान, सुनहरे पंख, छोटे- बड़े जानवर, चमकीली आँखें, बुढ़े बाबा, दमकती काया

| विशेषण | विशेष्य | विशेषण | विशेष्य |
|---|---|---|---|
| घना | जंगल | सुनहरे | पंख |
| मोटी- पतली | चिड़ियाँ | छोटे- बड़े | जानवर |
| सुनहरी | चिड़िया | चमकीली | आँखें |
| स्वर्ण | परी | बुढ़े | बाबा |
| नीला | आसमान | दमकती | काया |

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP